



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1
PART 1—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 257]
No. 257]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 14, 1986/कार्तिक 23, 1908
NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 14, 1986/KARTIKA 23, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Page is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1986

संकल्प

विषय :—उत्कृष्ट निर्यात निष्पादन की सार्वजनिक मान्यता के लिए पुरस्कार

सं. 8/3/86-ई. ए. सी.—उत्कृष्ट निर्यात निष्पादन के लिए योजना को संशोधित करने का प्रश्न सरकार के विचाराधीन रहा है और इस संबंध में विभिन्न सुझावों पर ध्यानपूर्वक विचार करके इस योजना को निम्नोक्त कठिकाओं में दिए गए अनुसार संशोधित करने का विनिश्चय किया गया है।

2. प्रत्येक वर्ष उन विनिर्माताओं, निर्यातकों तथा निर्यात सदनों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे जो निर्यात व्यापार में विशिष्ट योगदान देंगे।

3. ये पुरस्कार शील्डों के रूप में होंगे, जिन्हें विजेता स्थायी रूप से अपने पास रखेंगे।

4. प्रत्येक वर्ष सत्रह (17) तक पुरस्कार दिये जा सकते हैं। किसी वर्ष अगर यह महसूस किया जाए कि सुपात्र प्रत्याशियों की संख्या पर्याप्त नहीं है तो कम संख्या में पुरस्कार दिये जा सकते हैं। सत्रह में से (5) पुरस्कार तक प्रतिवर्ष छोटे तथा कुटीर क्षेत्र के निर्यातकों को दिए जाएंगे बशर्ते कि इन क्षेत्रों से पर्याप्त संख्या में प्रत्याशी उपलब्ध हों।

5. ऊपर दिये गये पुरस्कारों के प्रतिरिक्त, निर्यात संबंधी परिवर्तन, वस्तु बॉर्डर घाटि के पंजीकृत सदस्यों में से निर्यात उत्पादों के विभिन्न समूहों से संबंधित सर्वोत्तम निर्यातकों को श्रेष्ठता प्रमाणपत्र दिए जा सकते हैं।

6. निम्नोक्त व्यक्तियों की एक चयन समिति पुरस्कारों तथा श्रेष्ठता प्रमाणपत्रों के लिए वाणिज्य मंत्री को सिफारिशें करेगी :—

1. उच्चतम न्यायालय अध्यक्ष उच्च न्यायालय का एक न्यायाधीश अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश।
2. वाणिज्य मंत्रालय का सचिव अध्यक्ष उनका मनोनीत व्यक्ति।
3. आयात-निर्यात का मुख्य नियंत्रक।
4. विकासयुक्त (सह, उद्योग)
5. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल परिषद, नई दिल्ली।
6. अध्यक्ष, भारतीय निर्यात संगठन संघ, नई दिल्ली।
7. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग सहयोगी मंडल, कलकत्ता।
8. वाणिज्य मंत्रालय के सचिव द्वारा मनोनीत, वाणिज्य मंत्रालय के निर्यात सहायता प्रभाग का प्रभारी अधिकारी।
9. महानिदेशक वाणिज्यिक जानकारी तथा अंक-संकलन कलकत्ता।

7. बाणिज्य मंत्रालय प्रति वर्ष नामांकनों को प्राप्त करने के लिए एक समय सीमा निर्धारित करेगा और इस विषय में समुचित प्रचार किया जाएगा।

8. चयन समिति, पुरस्कार तथा श्रेष्ठता प्रमाणपत्रों के लिए प्रायोजक अधिकारियों से, जो प्रत्येक के सामने दर्शाई गई वस्तुओं के संबंध में विनियोजित होंगे, प्राप्त हुए नामांकनों का पुनरीक्षण करेगी :—

- (क) निर्यात संवर्धन परिषद् उन वस्तुओं के संबंध में जिनके बारे में उनके द्वारा कार्यवाही की जाती है।
- (ख) वस्तु बोर्ड उन वस्तुओं के संबंध में जिनके बारे में उनके द्वारा कार्यवाही की जाती है।
- (ग) वस्त्र आयुक्त-वस्त्र
- (घ) पटसन आयुक्त पटसन
- (ङ) विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग एकक।
- (च) खादी तथा ग्राम्य उद्योग आयोग-खादी तथा ग्राम्य उद्योग एकक।
- (छ) सरकार द्वारा इस उद्देश्य के लिए अनुमोदित कोई अन्य संगठन—उन वस्तुओं के संबंध में जिससे वे संबंधित हों।

9. प्रायोजक प्राधिकारी प्रक्रिया के अनुसार उनके व्यापक अलग से घोषित किये जायेंगे, एक विहित फार्म में ब्यारी देते हुए नामांकन पत्रों को अधेशित करेंगे।

10. कंडिका 1 में निर्दिष्ट पुरस्कार के लिए पात्रता निम्नोक्त बातों पर आधारित होगी :—

- 1) पिछले तीन वर्षों में निर्यातों की संपूर्ण मात्रा में पर्याप्त तथा निरन्तर वृद्धि।
- 2) निर्यात 3 वर्षों में अपरम्परागत वस्तुओं या तैयार उत्पादों की निर्यात विक्रयों में पर्याप्त और निरन्तर वृद्धि।
- 3) देश में विकसित नये उत्पादों के निर्यात या पर्याप्त मूल्य जड़ित वस्तुओं और माल के निर्यात में उल्लेखनीय सफलता।
- 4) विदेश बाजार में जिसमें भारतीय माल मुलभ कराना कठिन होता है, वहां स्थायी रूप से प्रवेश करने में सफलता।
- 5) विगत 3 वर्षों में देश में जनशक्ति जैसे देशी संसाधनों के बड़े पैमाने पर निवेश पर आधारित सेवाओं के निर्यातों में पर्याप्त वृद्धि।
- 6) विगत 3 वर्षों में भारत से लघु उद्योग और कुटीर उद्योग के उत्पादों के निर्यात में सहायता देने में प्रदर्शन योग्य सफलता।
- 7) विगत 3 वर्षों में निर्यात व्यापार को उपलब्ध ऋण तथा अन्य वित्तीय सहायता बढ़ाने में उल्लेखनीय उपलब्धि।
- 8) विदेश में टर्नकी परियोजनाएं या पूरी मशीनरी के लिए व्यापक क्रयदेश पूरे करना जिनमें लागत में कोई विशेष वृद्धि किये बिना समय पर सप्लाय और उनका लगाया जाना अत्यंत हो।
- 9) हमारे निर्यातों के संवर्धन के क्षेत्र में कोई अन्य अभिज्ञात किए जाने योग्य विशेष तथा उल्लेखनीय योगदान।

11. व्यापार के किसी विशिष्ट क्षेत्र के लिए प्रयत्न प्रयास के क्षेत्र के लिए पुरस्कारों का कोई आरक्षण इस आधार पर नहीं होगा कि ऐसे क्षेत्र में निर्यात के प्रयासों के लिए अत्यंत निहित कारण हैं।

12. कंडिका 2 तथा 3 में निर्दिष्ट पुरस्कार विजेताओं को अपने कर्मचारियों को ऐसे लेपल प्लैट, टाइट्रा, अथवा अन्य विभिन्न प्रकार के बिल्ले जारी करने का विशेषाधिकार प्राप्त होगा जिस पर एक घेरे में छपरा हुआ ओ आई पी का चिन्ह अंकित होगा। पुरस्कार विजेता अगर चाहें तो वे अपने पत्र शीर्षों अथवा अपने द्वारा जारी किये जाने वाले किसी

भी विज्ञापन में इस चिन्ह का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसे सभी मामलों में पुरस्कार का वर्ष निरपवाद रूप से निर्दिष्ट किया जाएगा।

13. कंडिका 5 में निर्दिष्ट श्रेष्ठता प्रमाण पत्र विजेता, श्रेष्ठता प्रमाण-पत्र जारी होने का वर्ष निर्दिष्ट करते हुए अपने द्वारा जारी किए जाने किसी भी विज्ञापन में अथवा अपने पत्र शीर्षों में इस बात का जिक्र कर सकते हैं।

14. पुरस्कार धारक/श्रेष्ठता प्रमाणपत्र विजेता, यदि वह उपयुक्त पाया जाता है तो बाद के वर्षों में अतिरिक्त पुरस्कार/श्रेष्ठता प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है।

15. पुरस्कार तथा श्रेष्ठता प्रमाणपत्र विजेताओं के नाम, विदेश स्थित सभी व्यापार मिशनों को भेजे जायेंगे।

घाटन

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और इसकी एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह पूर्ववर्ती संकल्प दिनांक 8 फरवरी, 1976 तथा बाद में दिनांक 27 अगस्त, 1977 के संशोधन का अधिकरण करता है।

वी. एम. बेंकटरमन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 13th November, 1986

RESOLUTION

Subject :—Awards for Public Recognition of Outstanding Export Performance.

No. S/3186 EAC :—The question of revising the Scheme for Outstanding Export Performance has been under consideration of the Government and having carefully considered various suggestions in this regard, it has been decided to revise the scheme as indicated in the following paragraphs.

2. Awards will be granted every year to manufacturers, exporters and exporting houses, who make a distinct contribution to the export trade.

3. The Awards will be in the form of shields, which will be retained permanently by the winners.

4. Awards numbering upto seventeen (17) may be given every year. A smaller number of awards may be granted in any year if it is considered that there are not sufficient number of deserving candidates. Upto (5) Awards out of seventeen every year will be given to exporters in the small scale and cottage sector subject to availability of sufficient number of candidate from these sectors.

5. In addition to the Awards referred to above, Certificates of Merit may be granted to the best exporters in the different groups of export products, from amongst the registered members of Export Promotion Councils, Commodity Boards etc.

6. A selection Committee consisting of the under-mentioned will make recommendations for the Awards and the Certificates of Merit to the Minister of Commerce :—

1. A Judge or a retired Judge of the Supreme Court or High Court.

2. Secretary in the Ministry of Commerce or his nominee.

3. Chief Controller of Imports and Exports.
 4. Development Commissioner (Small Scale Industries).
 5. President, Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry, New Delhi.
 6. President, Federation of Indian Export Organisations, New Delhi.
 7. President, Associated Chambers of Commerce and Industry of India, Calcutta.
 8. Officer-in-Charge of Export Assistance Division of the Ministry of Commerce, nominated by the Secretary in the Ministry of Commerce.
 9. Director-General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta.
7. The Ministry of Commerce will prescribe a time schedule for receipt of nominations every year and give appropriate publicity in the matter.
8. The Selection Committee shall review the nominations for the Awards and the Certificates of Merit received from the sponsoring authorities which shall be as follows in respect of the commodities shown against each :—
- (a) Export Promotion Councils—in respect of commodities dealt with by them.
 - (b) Commodity Boards—in respect of commodities dealt with by them.
 - (c) Textile Commissioner—Textiles.
 - (d) Jute Commissioner—Jute.
 - (e) Development Commissioner (Small Scale Industries) Small Scale Units.
 - (f) Khadi & Village Industries Commission—Khadi and Village industries units.
 - (g) Any other organisation approved by Government for this purpose—in regard to the commodities with which it is concerned.
9. The sponsoring authorities shall forward to the prescribed authority the nominations giving particulars in a prescribed form in accordance with a procedure, the details of which will be separately announced.
10. The eligibility for the award referred to in paragraph 1 shall be based on the following considerations :—
- (i) Substantial and steady increase in the absolute volume of exports in the last three years.
 - (ii) Substantial and steady increase in export sales in the last 3 years of non-traditional commodities or finished products.
 - (iii) Significant success in exporting products newly developed in the Country or in exporting commodities and goods with substantial value added to them.
 - (iv) Success in penetrating in a durable manner a foreign market known to be difficult for accessibility to Indian goods.
 - (v) Substantial increase in the last 3 years of exports of services based on large scale input of surplus resources in the country such as manpower.
 - (vi) Demonstrable success in the last 3 years in assisting export from India of products of small scale industry and cottage industry.
 - (vii) Significant achievement in the last 3 years in making increasing credit and other financial assistance available to the export trade.
 - (viii) Execution of turnkey projects abroad or large orders of machinery involving supply and erection on time and without significant cost escalation.
 - (ix) Any other identifiable, specific, and significant contribution in the promotion of our exports.
11. There will be no reservation of awards either for any specific line of trade or field of endeavour on the ground of inherent handicaps in such field for export efforts.
12. Winners of the awards referred to in paragraphs 2 and 3 shall have the privilege of issuing to their employees lapel pins, ties or other distinctive badges with the symbol OIP in a circle embossed on such material. The winners of awards shall also have the option to use this symbol in their letter heads or in any advertisement issued by them. The year of the awards shall invariably be mentioned in all such cases.
13. Winners of the Certificates of Merit referred to in para 5 may mention this fact in their letter heads or in any advertisement issued by them, mentioning the year of issue of the Certificate of merit.
14. An Award holder|winner of a Certificate of Merit can win additional Awards|Certificates of Merits in subsequent years, if adjudged to be suitable.
15. The names of the Winners of the Awards and Certificates of Merit will be communicated to all the Indian Trade Mission abroad.

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India and a copy thereof communicated to all concerned. This superseeds the previous Resolution dated September 6, 1976 and subsequent amendment dated 27th August 1977.

V. S. VENKATARAMAN, Jt. Secy.

